C394

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-204

नाटक एवं नाटिका

एम.ए. संस्कृत (MASL)

Second Year Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. नाट्य शास्त्र का परिचय दीजिए तथा नाट्य का उद्भव एवं विकास के संदर्भ में भारतीय एवं पाश्चात्य मतों का विवेचन कीजिए।

2. महाकवि श्रीहर्ष की कृत्तियों का उल्लेख करते हुए किसी एक कृति की समीक्षा कीजिए।

3. शूद्रक की काव्यकला एवं नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।

4. बौद्ध भिक्षु के कथनों की समीक्षा कीजिए।

5. रत्नावली के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. चारु दत्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

2. किसी एक श्लोक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

यासां बलिःसपदि मद् गृहदेहलीनां
हन्सैश्च सारस गणेश्च विलुप्तपूर्वः।
तास्वैव सम्प्रति विरूढतृणांक रासु
बीजांजलिः पतातिः कीटमुखावलीढः।।

अथवा

अवन्तिपुर्यां द्विजसार्थवाहो युवा दरिद्रः किल चारुदत्तः।
गुणानुरक्तागणिका च यस्य वसन्तशोभेव वसन्तसेना।।

3. महाकवि श्रीहर्ष का जीवन परिचय दीजिए।

4. विदूषक और चारुदत्त के संवादों का वर्णन कीजिए।

5. शर्विलक की चोर विद्या का वर्णन कीजिए।

6. मृच्छकटिकम् के सप्तम अंक का सारांश लिखिए।

7. रत्नावली के प्रथम अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

8. विदूषक किसे कहते हैं विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।